जादुई सेब

मध्यपूर्व की एक लोककथा

एक समय की बात है. एक वृद्ध व्यक्ति के तीन बेटे थे. जब वह मृत्युशय्या पर लेटा था तो उसने अपने बेटों को बुलाया और उन्हें अपनी एक इच्छा बताई. उसका सपना था कि उसके बेटे यात्रा पर जायें और हर बेटा कोई ऐसी वस्तु खोज कर लाये जो उसे धनी बना दे और उसके जीवन को खुशियाँ से भर दे. अपनी इच्छा बताते ही, वृद्ध ने सदा के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं.
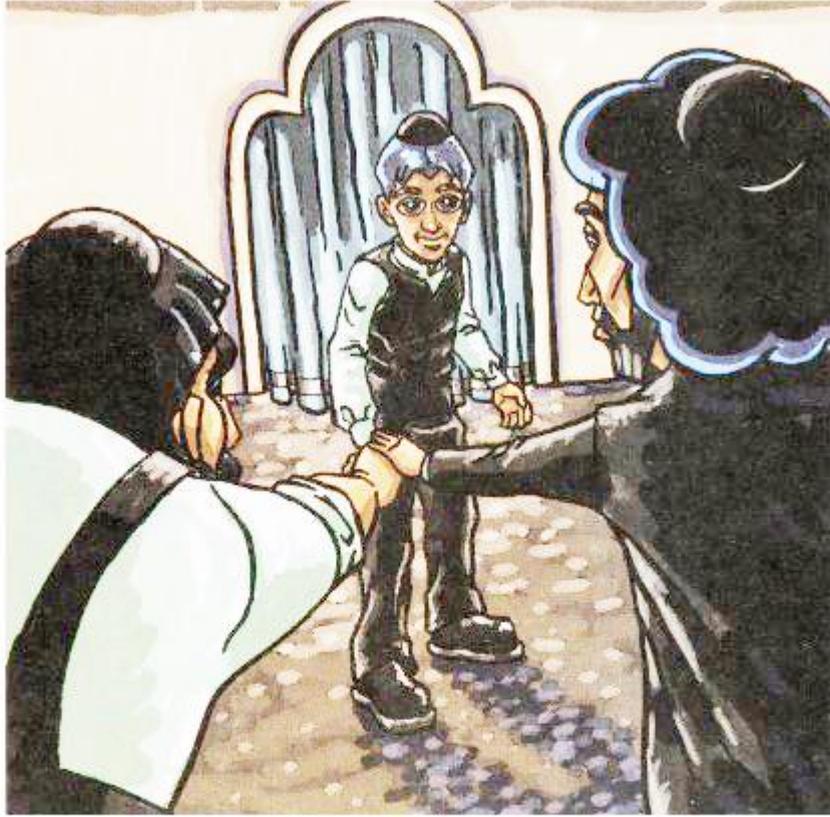
तीनों भाइयों ने निश्चय किया कि धन और खुशियों की खोज में वह अलग-अलग दिशाओं में जायेंगे. उन्होंने प्रण किया कि एक वर्ष बाद वह फिर आपस में मिलेंगे.

सबसे बड़े बेटे ने चीन जाने का निर्णय लिया. जब वह चीन एक बड़े नगर में पहुंचा तो वहां उसने कई अद्भुत वस्तुयें देखीं.
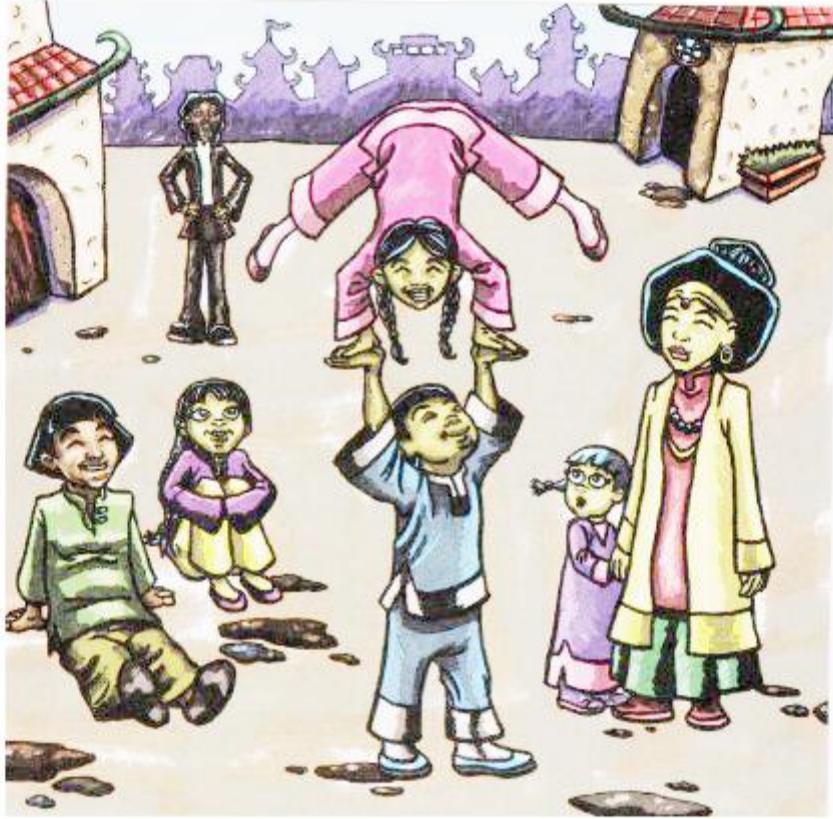
वहां उसने हर जगह जादूगर, कलाबाज़ और बाज़ीगर देखे.
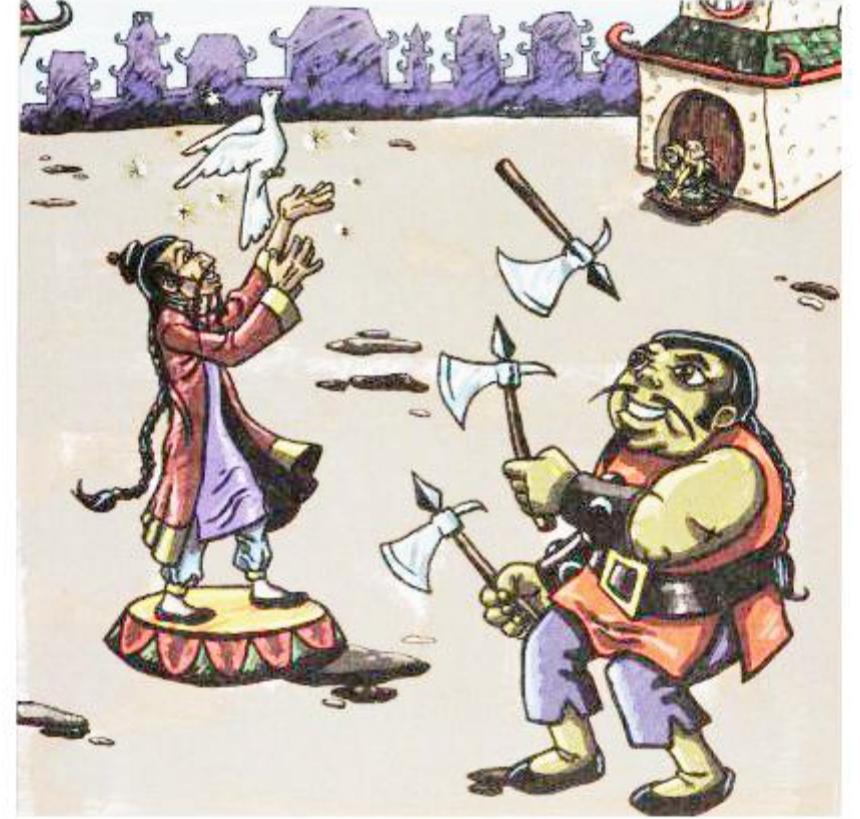
जब वह उस नगर के बीच से जा रहा था तो उसने एक निराला छोटा आदमी देखा जिसके पास एक सुंदर शीशा था.

उसने उस निराले छोटे आदमी से पूछा, “आपके पास जो शीशा है, वह क्या है?” उस निराले छोटे आदमी ने कहा, “यह जादुई शीशा है. इसकी सहायता से मैं दूर की जगहें भी आसानी से देख सकता हूँ.”

उस आदमी ने वह शीशा सबसे बड़े बेटे को दिया और वह भी उसकी सहायता से दूर, बहुत दूर की जगहें देख सका. उसने तो यात्राओं पर निकले अपने दोनों भाइयों को भी देख लिया. सबसे बड़े बेटे ने कहा, “मेरे पिता का सपना था कि मैं कोई ऐसी वस्तु खोज कर लाऊं जो मेरे जीवन में धन और खुशियाँ ले आये. मुझे लगता है की यही वह वस्तु है.”

उस निराले छोटे आदमी ने वह जादुई शीशा सबसे बड़े भाई को दे दिया. सबसे बड़े भाई ने उसे धन्यवाद कहा और वापस घर की ओर चल दिया.
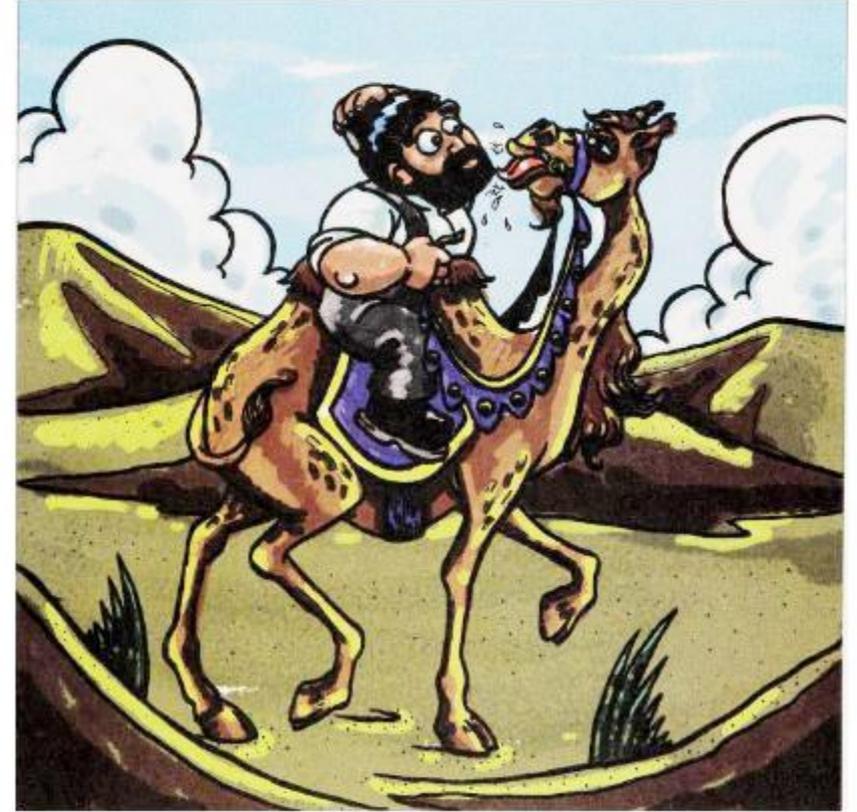
मंझला भाई मध्य-पूर्व के एक देश में गया. एक दिन वह एक छोटे से गाँव पहुंचा. उस गाँव के अंदर उसे एक अनोखा छोटा आदमी दिखाई दिया जो कालीन बेच रहा था.
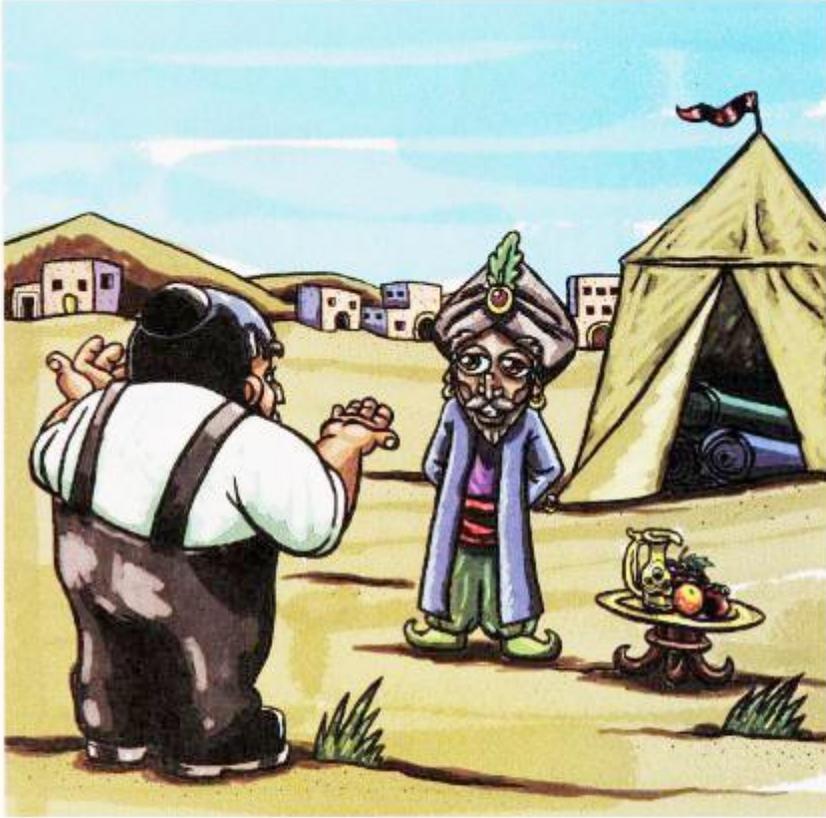
मंझले भाई ने उसे कहा, “मेरे पिता का सपना था कि मैं कोई ऐसी वस्तु ढूँढ़ कर लाऊं जो मुझे धनी बना दे और मेरे जीवन में खुशियाँ लाये. क्या आप मेरी कुछ सहायता कर सकते हैं?” वह आदमी मुस्कराया और बोला, “मेरे पास एक पुराना कालीन है जो तुम्हें पसंद आयेगा.”

उस अनोखे छोटे आदमी ने एक धूल से भरा कालीन उठाया और उसे झाड़ा और मंझले भाई को दिखाया. जब मंझला भाई उस कालीन की देख रहा था तो वह हवा में उड़ने लगा.

“यह कैसा कालीन है?” मंझले भाई ने पूछा. उस आदमी ने कहा, “यह उड़ने वाला कालीन है जिस पर बैठ कर तुम जहाँ जाना चाहो जा सकते हो. क्या तुम्हारे पिता ने ऐसी ही किसी वस्तु का सपना देखा था?”

“अवश्य ऐसी ही वस्तु का सपना देखा होगा!” मंझले भाई ने कहा. “फिर तुम इस ले लो,” उस आदमी ने कहा. उसने कालीन मंझले भाई को दे दिया. उसने उस अनोखे छोटे आदमी को धन्यवाद कहा और वापस घर की ओर चल पड़ा.

सबसे छोटे भाई ने अफ्रीका के एक देश की यात्रा की. एक दिन उसने अपने-आप को एक झोंपड़ी के समीप पाया. उस झोंपड़ी के पास एक सुंदर सुनहरा पेड़ था. ऐसा पेड़ उसने पहले कभी न देखा था. उस पेड़ पर एक ही फल लगा था, एक चमकीला लाल सेब.

एक अजीब छोटा आदमी उस झोंपड़ी से बाहर आया. उसने सबसे छोटे भाई से पूछा, "तुम क्या देख रहे हो?" सबसे छोटे भाई ने कहा, "मेरे पिता का सपना था कि मैं एक ऐसी वस्तु खोज कर लाऊं जो मुझे धनी बना दे और मेरे जीवन को खुशियों से भर दे. यह कौन सा फल है?"
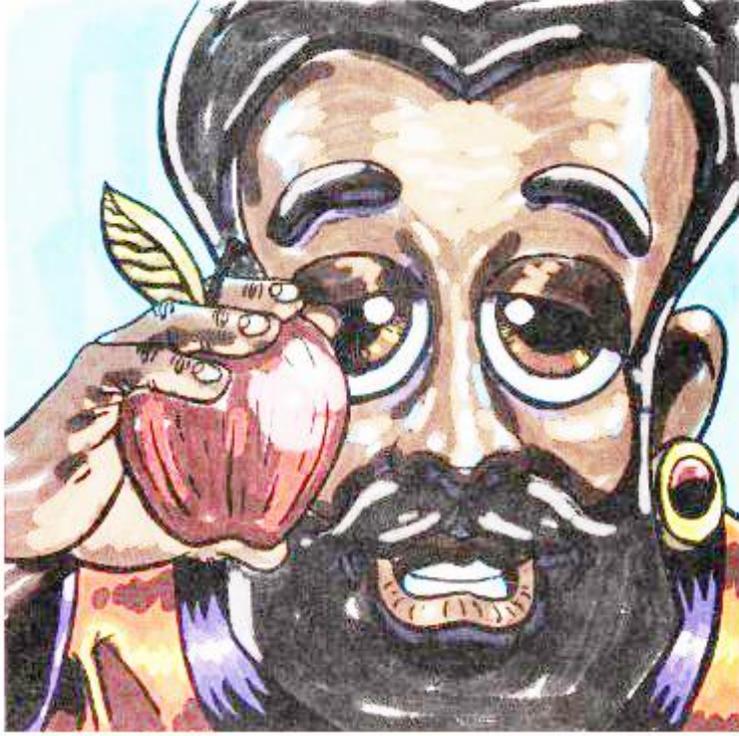
“ओह, यह जादुई सेब है,” उस अजीब छोटे आदमी ने कहा. “यह क्या कर सकता है?” छोटे भाई ने पूछा. “समय आने पर तुम जान जाओगे,” उस आदमी ने कहा. सबसे छोटे भाई ने उस अजीब छोटे आदमी से वह सेब ले लिया और वापस घर की ओर चल पड़ा.
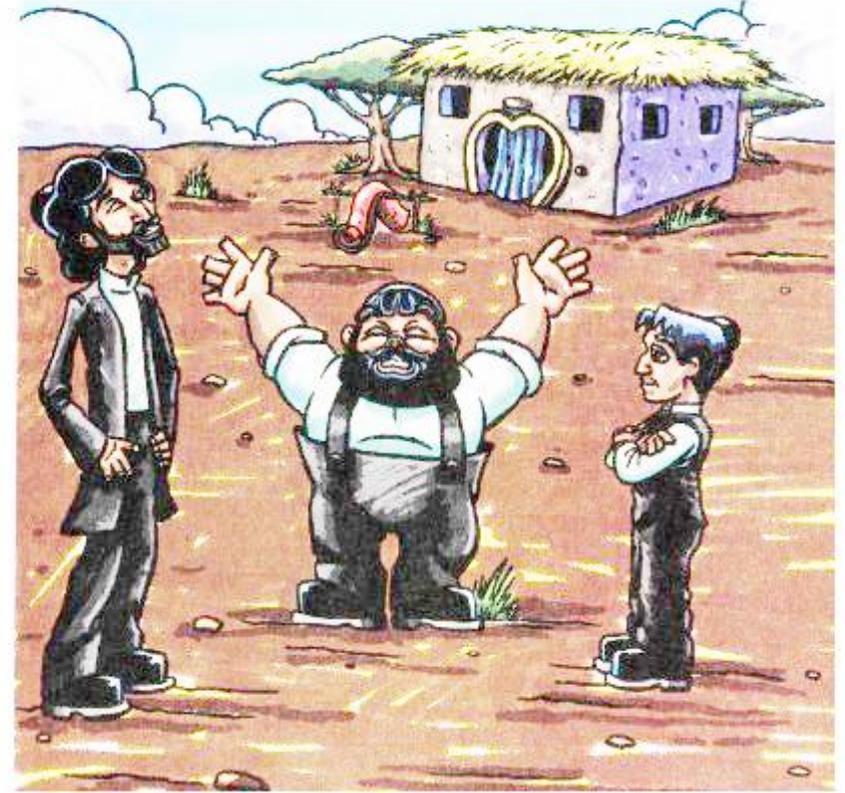
एक वर्ष बाद तीनों भाई अपने घर आये. जो वस्तुएं वह खोज कर लाये थे उन्होंने एक-दूसरे को दिखायीं.

सबसे बड़े भाई ने अपना जादुई शीशा निकाला. जब उसने उस शीशे से देखा तो उसे दूर एक राज्य दिखाई दिया, जहाँ एक राजकुमारी बिस्तर पर लेटी थी. वह मृत्यु के करीब लग रही थी.

मंझले भाई ने कहा, “हम सब मेरे जादुई कालीन पर बैठ कर, उड़ते हुए राजकुमारी के पास जा सकते हैं.”

वह कालीन पर बैठ गये और उड़ कर उस सुदूर राज्य आ गये.
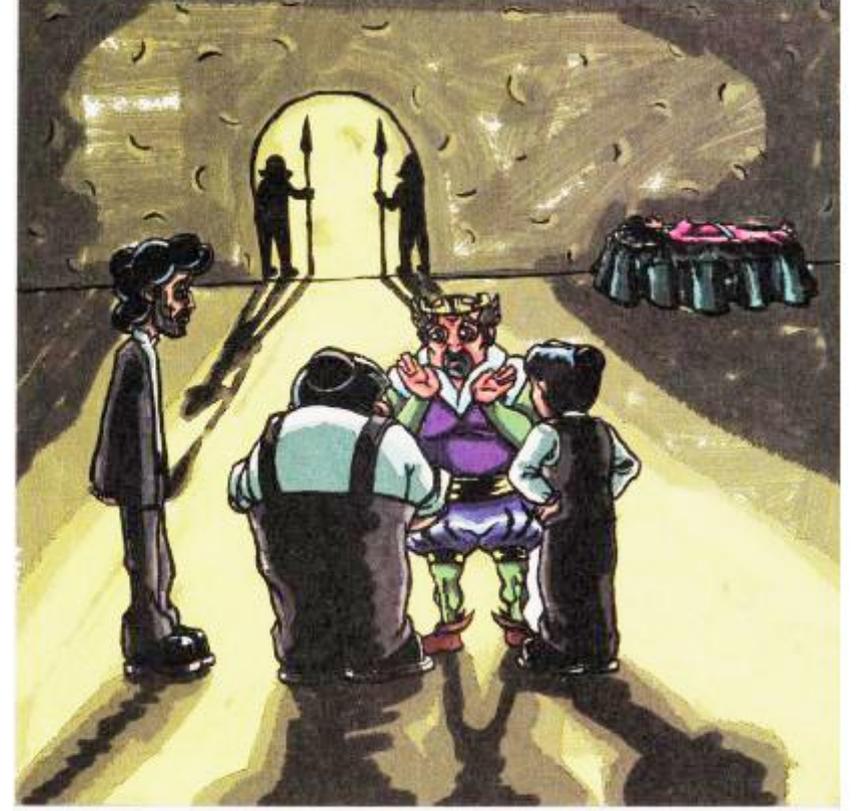
राजा बहुत उदास था और उसने भाइयों से कहा कि सब डॉक्टर उसकी बेटी का इलाज न कर पाए. अगर कोई उसकी बेटी को ठीक कर पाता तो वह उसका विवाह उस आदमी से कर देता और अपना आधा राज्य भी उसे दे देता.

अचानक सबसे छोटे भाई को महसूस हुआ कि उसका जादुई सेब धीरे-धीरे गर्म होने लगा था और चमकने भी लगा था. “मुझे लगता है कि मैं आप की बेटी को ठीक कर सकता हूँ,” उसने कहा.

राजा भाइयों को राजकुमारी के पास ले आया. जब सबसे छोटे भाई ने राजकुमारी को देखा तो उसने सेब को आधा काट डाला. फिर उसने सेब के रस को राजकुमारी के मुंह में टपकने दिया.

कुछ पलों में ही राजकुमारी अच्छा महसूस करने लगी और उठ कर बैठ गयी. वह ठीक हो गयी थी.

राजा बहुत प्रसन्न हुआ और उसने अपनी बेटी को गले लगाया. फिर उसने कहा, “जिस लड़के ने मेरी बेटी की जान बचाई है उसका विवाह राजकुमारी के साथ होगा.”

तीनों भाई आपस में बहस करने लगे क्योंकि हर एक को लग रहा था कि उसने राजकुमारी की जान बचाई थी. सबसे बड़ा भाई बोला, “अगर हमारे पास जादुई शीशा न होता तो हमें पता ही न चलता कि राजकुमारी बीमार थी. राजकुमारी के साथ मेरा विवाह होना चाहिए.”

मंझले भाई ने कहा, “अगर हमारे पास जादुई कालीन न होता तो राजकुमारी की जान बचाने के लिए हम समय पर यहाँ पहुँच ही न पाते. राजकुमारी के साथ मेरा विवाह होना चाहिए.”

सबसे छोटे भाई ने कहा, “मेरे जादुई सेब ने राजकुमारी को ठीक किया. राजकुमारी के साथ मेरा विवाह होना चाहिए.” राजा ने राजकुमारी से कहा कि वह निर्णय ले कि वह किस से विवाह करेगी.

राजकुमारी ने सबसे बड़े भाई से कहा, “क्या अभी भी आपके पास आपका जादुई शीशा है?” सबसे बड़े भाई ने कहा, “हाँ, राजकुमारी, मेरे पास है.” राजकुमारी ने मंझले भाई से पूछा, “क्या आपका उड़ने वाला कालीन अभी भी आपके पास है?” मंझले भाई ने कहा, “हाँ, राजकुमारी, मेरे पास है.”

राजकुमारी ने सबसे छोटे भाई से पूछा, “क्या आपका जादुई सेब अभी भी आपके पास है?” सबसे छोटे भाई ने निराशा में अपना सिर हिलाया और कहा, “नहीं, राजकुमारी, जब मैंने उसका रस निकाल लिया तो वह खत्म हो गया. अब मेरे पास कुछ नहीं है.”

राजकुमारी मुस्कराई और अपने पिता से बोली, “मैं सबसे छोटे भाई से विवाह करूंगी क्योंकि मेरा जीवन बचाने के लिए जो कुछ उसके पास था उसने दे दिया.”

राजकुमारी का विवाह सबसे छोटे भाई के साथ हो गया. उसने और राजकुमारी ने दोनों बड़े भाइयों को उनके साथ रहने का आग्रह किया और समय आने पर वह सब मिल कर उस देश में राज्य करने लगे.

उनके पिता का सपना सच हो गया था.

समाप्त